

खाद्य तथा रसद विभाग राज्य क्रय एजेन्सियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न

खाद्य एवं रसद मंत्री जी द्वारा दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

लखनऊ : 07 अप्रैल, 2026

श्री सतीश चन्द्र शर्मा, राज्यमंत्री, खाद्य तथा रसद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उ०प्र० सरकार की अध्यक्षता में गेहूँ की प्रगति तथा गेहूँ क्रय में वृद्धि किये जाने के उपायों के सम्बन्ध में राज्य क्रय एजेन्सियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्री रणवीर प्रसाद, प्रमुख सचिव/आयुक्त, श्री प्रशान्त शर्मा, महा प्रबन्धक भारतीय खाद्य निगम, श्री कामता प्रसाद सिंह, अपर आयुक्त, डा० चन्द्र भूषण त्रिपाठी, प्रबन्ध निदेशक, पी०सी०एफ०, श्री शशि भूषण तोमर, वित्त नियंत्रक, श्री अशोक कुमार पाल, सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, (मुख्यालय), श्री श्रीकान्त गोस्वामी, प्रबन्ध निदेशक, पी०सी०यू०, श्री एन०के० सिंह प्रबन्ध निदेशक, यू०पी०एस०एस, श्री रमेश बाबू गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, राज्य भण्डारण निगम, श्री अरविन्द कुमार सिंह, उपनिदेशक, मण्डी परिषद, श्री अरविन्द सिंह, क्षेत्रीय प्रबन्धक नैफैड, श्री जसवीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबन्धक एन०सी०सी०एफ० एवं सम्भागों से सम्भागीय खाद्य नियंत्रकों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

मा० मंत्री जी को अवगत कराया गया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत गेहूँ का समर्थन मूल्य रू० 2585 प्रति कुन्तल निर्धारित है, जो गतवर्ष से रू० 160 प्रति कुन्तल अधिक है। विभिन्न क्रय एजेन्सियों के प्रस्तावित 6500 क्रय केन्द्रों के सापेक्ष अबतक 5439 क्रय केन्द्र अनुमोदित किये जा चुके हैं। प्रदेश में गेहूँ खरीद आरम्भ है अब तक 51 जनपदों के 464 क्रय केन्द्रों पर 2085 किसानों से 13388 मी०टन की खरीद हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा 10.00 लाख मी०टन क्रय लक्ष्य निर्धारित किया गया है, परन्तु प्रदेश में इस वर्ष 30.00 लाख मी०टन से अधिक आवक होने की सम्भावना है। गेहूँ खरीद हेतु उचित दर विक्रेताओं से उपयोगी बोरे क्रय की अनुमति प्राप्त हो गयी है। 76,000 नये पी०पी० गांठ बोरों का आवंटन भारत सरकार से प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष 10,000 नये पी०पी० गांठ बोरों का आर्डर सम्बन्धित फर्म को दिया जा चुका है अवशेष 66,000 पी०पी० गांठों का रि-टेण्डर किया गया है। इसके अतिरिक्त 20,000 नये जूट गांठ बोरों का भी भारत सरकार से आवंटन प्राप्त हुआ है, सम्भाग स्तर से उपयोगी बोरों के क्रय हेतु टेण्डर प्रकाशित किये जा रहें हैं एवं उचित दर विक्रेताओं से भी बोरे क्रय किये जाने की अनुमति शासन स्तर से भी प्राप्त हो गयी है। इस प्रकार गेहूँ क्रय हेतु पर्याप्त बोरे उपलब्ध रहेंगे।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 62.30 लाख मी०टन धान की खरीद की गयी है। जिसके सापेक्ष 37.70 लाख मी०टन सी०एम०आर० केन्द्रीयपूल में प्रेषित किया जा चुका है। 3.05 लाख मी०टन धान का प्रेषण राइस मिलों को किया जाना शेष है। भारतीय खाद्य निगम के पास भण्डारण स्थल की कमी के कारण सी०एम०आर० सम्प्रदान तेजी से नहीं हो पा रहा है। पी०डी०एस० के खाद्यान्न उठान से रिक्त होने वाले स्पेस में ही सी०एम०आर० का उतार हो पा रहा है।

माननीय मंत्री जी द्वारा निम्न निर्देश दिये गये:

सभी क्रय एजेन्सियां लक्ष्य के अनुरूप क्रय केन्द्रों का अनुमोदन कराते हुए क्रय केन्द्रों को शीघ्र क्रियाशील कराना सुनिश्चित करें। प्रदेश के सभी जनपदों में गेहूँ खरीद प्रारम्भ करायें। उपयोगी बोरों के क्रय हेतु टेण्डर की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कर दें। उचित दर विक्रेताओं से सही गुणवत्ता के बोरे खरीदे जाये। प्रत्येक क्रय केन्द्र पर बोरों की उपलब्धता सुनिश्चित रहें। क्रय केन्द्रों पर बैनर फ्रन्ट पर लगाया जाये एवं बैनर पर समस्त आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित हो। समस्त संचालित क्रय केन्द्र समय से खोले जाये तथा क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने, पीने का पानी, खरीद सम्बन्धी उपकरण, बोरा, साफ-सफाई आदि व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से हो।

समस्त क्रय एजेन्सियों सुनिश्चित करें कि किसानों को गेहूँ विक्रय करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो एवं कोई भी शिकायत न होने पाय। केन्द्रों से प्राप्त होने वाली शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। किसान भाईयों के मध्य मीडिया के माध्यम से गेहूँ के समर्थन मूल्य में रू० 160 प्रति कुन्तल की हुई वृद्धि का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये। किसानों को प्रेरित कर अधिक से अधिक संख्या में उनका ई-उपार्जन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाये। गेहूँ के सुरक्षित भण्डारण की प्लानिंग समय से पूर्ण कर ली जाये। अवशेष सी०एम०आर० का सम्प्रदान सम्बन्धित डिपो पर शीघ्र करायें।

सम्पर्क सूत्र-शिखा अवस्थी

वैशाली माथुर/04:25 PM